पीआरटी कॉरिडोर का सर्वेक्षण करने के लिये आईजी ड्रोन

चर्चा में क्यों?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, **ड्रोन टेक्नोलॉजी और एनालिटिक्स कंपनी आईजी ड्रोन** उत्तराखंड मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का सर्वे करने जा रही है। यह**नियो मेट्रो सिस्टम** के तहत **पर्सनलाइज़्ड रैपिड ट्रांज़िट कॉरिडोर (PRT)** है।

- उत्तराखंड सरकार **PRT कॉरिडोर परियोजना के वर्ष 2024** तक पूरा होने की उम्मीद है और इसका उद्देश्य विश्व स्तरीय तथा अत्याधुनिक आवागमन की सुविधा प्रदान करना है।

मुख्य बिंदु:

- **नियो मेट्रो प्रोजेक्ट** यातायात की भीड़ को कम करने के लिये अगले **चार वर्षों में देहरादून, हरिद्वार और ऋषिकेश** में अत्याधुनिक रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम बनाने की योजना बना रहा है।
- PRT को **मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (MRTS)** के तहत विकसित किया जा रहा है जो **तीन शहरों- हरिद्वार, ऋषिकेश और देहरादून** को जोड़ेगा।
- **आईजी ड्रोन** हाई-टेक ड्रोन के माध्यम से परियोजना का सर्वेक्षण करके **डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR)** तैयार करने में मदद करेगा।
  - कंपनी **भूमिगत कार्य प्रगति का नियमित अवलोकन** करने के लिये **घरेलू स्तर पर विकसित ड्रोन** का उपयोग करेगी।
  - **ड्रोन** उन्नत सेंसर से लैस हैं जो ज़मीन से **उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली छवियाँ, वीडियो और अतिरिक्त डेटा कैप्चर** करने में सक्षम हैं।
  - इस एकत्रित डेटा को आईजी वन, उनके **स्वामित्व वाले सॉफ्टवेयर** के माध्यम से संसाधित किया जाता है, जो तकनीकी रूप से गहन विश्लेषण प्रदान करता है।
  - ये विस्तृत आँकड़े परियोजना की प्रगति की वास्तविक समय पर नियंत्रण रखने में सक्षम बनाते हैं।
- **आईजी ड्रोन** अग्रणी ड्रोन तकनीक और एनालिटिक्स कंपनी है जिसके द्वारा भारत का **पहला 5जी ड्रोन- स्काईहॉक लॉन्च** किया गया है।
- अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में **ड्रोन** का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जो अपनी दक्षता, सटीकता और लागत-प्रभावशीलता के लिये मूल्यवान हैं।
  - इसके अनुप्रयोगों में **निर्माण प्रगति का सर्वेक्षण, कार्य की गुणवत्ता का आकलन** और **निर्माण चरण के दौरान संभावित मुद्दों की पहचान** करना आदि शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ig-drones-to-survey-prt-corridor